सत्यमेव जयते

रक्षा मंत्री
भारत
MINISTER OF DEFENCE
INDIA

संदेश

जैसा कि हम सब जानते हैं, स्वाधीनता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में हिंदी की अहम भूमिका रही थी। भारतीय संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में सर्वाधिक उपयुक्त समझते हुए 14 सितम्बर, 1949 को इसे भारत संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। राष्ट्रीय संस्कृति के मूल तत्वों की अभिव्यक्ति तथा देश की एकता और अखंडता को बढ़ावा देने में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हमारा देश आज विश्व में तेजी से उभरती हुई एक शक्ति है। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और बहुभाषी देश में अखिल भारतीय स्तर पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक ऐसी भाषा की नितांत आवश्यकता है जिसे देश के अधिकांश लोग बोल व समझ सकें। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी व जवाबदेह बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करना हमारा दायित्व है।

यह हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी रक्षा मंत्रालय व अन्य सभी रक्षा संगठनों में सितम्बर माह में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। मैं, रक्षा मंत्रालय, सशस्त्र सेनाओं व सभी रक्षा संगठनों के अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लें तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग करें।

"हिंदी दिवस" के अवसर पर सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

नई दिल्ली
14 सितम्बर, 2016

मनोहर पर्रीकर

(मनोहर पर्रीकर)

कार्यालय : 104, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली-110011, फोन : +91 11 23012286, +91 11 23019030 फैक्स : +91 11 23015403
Office : 104, South Block, New Delhi-110011, Ph. : +91 11 23012286, +91 11 23019030 Fax : +91 11 23015403